The BSNLEU leaders have accepted and agreed for "ZERO" amount of PLI (Bonus) for last six years. It is due to this staff couldn't get even single paisa in the name of PLI. They are obviously satisfied that the zero PLI is the maximum. NFTE has been consistently impressing upon the BSNL management to pay PLI for year 2014-15. A meeting of joint committee was fixed for 30-03-2016 but the BSNLEU representative absented. NFTE President attended and this could not be digested as management expressed desire to pay. The NFTE represented that the formula of payment has to be negotiated for more amount of PLI. It should be as per respectability of the PSU and staff both. The G.Secy. BSNLEU avoided negotiation and went on to propagate for one or two digits PLI indicating his perference for "ZERO" PLI. Factual position is the amount was neither in one nor in two digits but beyond that which needed further negotiation. During last six years BSNLEU has never demanded payment of PLI and kept mum on the issue. Then how can they tolerate the initiative and pursuance of NFTE on the issue. Remember they had been declaring from house tops PLI payment in not possible.

बीएसएनएल शुन्य धनराशि से सहमत

लगभग छः वर्षो से बीएसएनएल कर्मचारियों को बोनस (पीएलआई) नहीं मिला एवम बीएसएनएलईयू चिर निद्रा में रहा । जब पीएलआई भुगतान की प्रबन्धन ने पेशकश की तथा ३० मार्च को बैठक निश्चित की तो महामंत्री बैठक से गायब । परंतु दुसरे दिन ही कुप्रचार कि एनएफटीई दो अंको के बोनस की सहमत दी । परंतु वह समझौता नहीं दिखा सके तथा प्रबन्धन से छः अप्रैल को डांट पडी कि अनर्गल प्रचार क्यों । बैठक में महामंत्री जी उपस्थित नही तो मालुम कैसे हुआ कि दो अंको का पीएलआई का समझौता हुआ । वास्तविकता तो यह हैं कि दो अंको का प्रस्ताव कदापि नहीं था । परंतु प्रस्ताव पर निगोशिएट करके धन राशि निर्धारित करना था । बीएसएनएलईयू ने वास्तव में पीएलआई की शुन्य धन राशि स्वीकार कर ली हैं । तथा वे चाहते हैं कि पीएलआई कर्मचारियों को नहीं मिलें अन्यथा एनएफटीई को क्रेडिट मिलगी । यह प्रथम अवसर हैं जब प्रशासन पीएलआई भुगतान हेतु तत्पर हुआ हैं । यह एनएफटीई के अथक प्रयास का परिणाम हैं ।